# संरक्षा, सेवा और गति के ध्येय मंत्र पर अमल-पश्चिम रेलवे की सार्थक पहल

इंसानी ज़िंदगी के मायने बदल देने वाली रेलगाड़ी ने जब 16 अप्रैल, 1853 को हिंदुस्तान की धरती पर बोरीबंदर और ठाणे के बीच अपना पहला सफ़र तय किया था, तब शायद ही किसी ने सोचा होगा कि यह महत्त्वपूर्ण खोज आगे चलकर जन परिवहन का सशक्त माध्यम बन जायेगी। मगर वक़्त गुज़रने के साथ-साथ रेलगाड़ी की अहमियत लगातार बढ़ती रही। आज चाहे सामाजिक जनजीवन के सुचारु संचालन का सवाल हो या देश की अर्थव्यवस्था से जुड़ी महत्त्वपूर्ण सामग्रियों के संचालन का मुद्दा हो, भारतीय रेल की अनवरत यात्रा पूर्ण तत्परता से जारी है।

★ श्री आर. सी. अग्रवाल
महाप्रबंधक, पश्चिम रेलवे

वर्ष 1853 में शानदार शुरुआत के बाद कालांतर में रेलों का जाल देश के कोने-कोने में फैल गया और आज भारतीय रेल प्रणाली की गणना विश्व की सबसे बड़ी रेल प्रणालियों में की जाती है। इसी विशाल भारतीय रेल प्रणाली के प्रमुख अंग के रूप में पश्चिम रेलवे ने देश के पश्चिमी हिस्से की बहुमुखी प्रगति में हमेशा सक्रिय भूमिका निभाई है और लोगों की ज़रूरतों के अनुसार अपनी सेवाएँ लगातार प्रदान की हैं। 5 नवम्बर, 1951 को विधिवत रूप से गठित होने वाली पश्चिम रेलवे ने संरक्षा, सेवा और गति के अपने ध्येय मंत्र को आत्मसात कर इसे व्यावहारिक रूप में भी चरितार्थ किया है।

★ **हीरक जयंती का गौरवपूर्ण अवसर:** वर्ष 2011 का पश्चिम रेलवे के लिए विशेष महत्त्व है, क्योंकि इस वर्ष पश्चिम रेलवे अपनी स्थापना की हीरक जयंती के साथ-साथ भारत में नैरोगेज प्रणाली की स्थापना की 150वीं गौरवपूर्ण जयंती भी मना रही है। इसकी शुरुआत भारत में सर्वप्रथम वडोदरा के पास की गई थी। यह हम सभी के लिए सचमुच गौरवपूर्ण क्षण है। पश्चिम रेलवे अपने समृद्ध एवं गौरवशाली इतिहास, गतिशील वर्तमान एवं उज्ज्वल भविष्य के साथ नित नई बुलंदियाँ हासिल करने के लिए तत्पर है। पश्चिम रेलवे 5 नवम्बर, 1951 को तत्कालीन बॉम्बे, बड़ौदा तथा सेंट्रल इंडिया रेलवे (बीबी एंड सीआई) तथा अन्य स्टेट रेलवे जैसे सौराष्ट्र, राजपुताना तथा जयपुर को विलय करके अस्तित्व में आयी। बीबी एंड सीआई रेलवे की शुरुआत 1855 ई. में गुजरात राज्य के पश्चिमी तट पर अंकलेश्वर से उत्राण तक 29 मील ब्रॉडगेज ट्रैक के निर्माण के साथ हुई। सन 1864 में इस लाइन का विस्तार मुंबई तक हुआ। दशकों से पश्चिम रेलवे ने सम्बद्धता, बेहतर यात्री सुख सुविधा एवं सामाजिक उत्तरदायित्वों के बेहतर निर्वाह के साथ माल एवं यात्रियों के संचालन में सुधार करके एक अग्रणी ट्रांसपोर्टर के रूप में उभरते हुए पश्चिम भारत के विकास में तेज़ी लाई है। आज पश्चिम रेलवे नेटवर्क 6181.46 रूट कि.मी. तक फैला हुआ है, जिसमें पूरे गुजरात का क्षेत्र (4850.54 किमी), मध्य प्रदेश (915.53 किमी), महाराष्ट्र (361.57 किमी) और राजस्थान का कुछ भाग (53.82 किमी) शामिल हैं। वर्तमान में पश्चिम रेलवे में 6 मंडल हैं - मुंबई (636.54 किमी), वडोदरा (1162.89 किमी), अहमदाबाद (1519.29 किमी), रतलाम (1061.97 किमी), राजकोट (564.43 किमी) और भावनगर (1236.35 किमी)। पश्चिम रेलवे पर 815 स्टेशन हैं, जिनमें 6 स्टेशन ए-1 श्रेणी, 21 'ए' श्रेणी, 14 'बी' श्रेणी, 35 'सी' श्रेणी, 68 'डी' श्रेणी, 403 'ई' श्रेणी एवं 268 'एफ' श्रेणी के हैं। पश्चिम रेलवे पर वलसाड एवं वडोदरा में इलेक्ट्रिकल लोको शेड तथा रतलाम, साबरमती एवं वटवा में डीज़ल लोको शेड भी हैं, जबकि प्रमुख वर्कशॉप लोअर परेल, भावनगर, महालक्ष्मी और दाहोद में हैं। मुंबई सेंट्रल और कांदिवली में कार शेड स्थित हैं। पश्चिम रेलवे कई क्षेत्रों में अग्रणी रही है। पश्चिम रेलवे के नाम दर्ज विश्व की 'पहली महिला विशेष ट्रेन' और 'देश की पहली 15 डिब्बों की उपनगरीय ट्रेन' जैसी उपलब्धियाँ विशेष रूप से उल्लेखनीय हैं। इस रेलवे पर परिचालित प्रतिष्ठित ट्रेनें जैसे राजधानी, शताब्दी और 'दुरंतो एक्सप्रेस' लाखों यात्रियों को शीतल और आरामदेह वातावरण के साथ समय पर उनके गंतव्य स्थानों तक पहुँचाती हैं। पश्चिम रेलवे में ग्राहक संतुष्टि को सर्वोच्च प्राथमिकता दी जाती है और बेहतर यात्री सुख-सुविधा और उच्च श्रेणी की सेवा का ध्यान रखा जाता है। पश्चिम रेलवे ने मील के कई पत्थरों को पार किया है और इस वर्ष कई गौरवपूर्ण उपलब्धियाँ हासिल की हैं।

★ **कामयाबी के नये कीर्तिमान:** देश के तीव्र औद्योगिकीकरण से कदम मिलाते हुए बुनियादी संसाधनों के विकास एवं अर्थव्यवस्था के प्रमुख भागीदार के रूप में पश्चिम रेलवे द्वारा देश के बंदरगाहों तथा इसके उत्तरी एवं पूर्वी भागों के सुदूर क्षेत्रों को परस्पर जोड़कर, अपने परिचालन क्षेत्र को मजबूत बनाया गया है। चालू वित्तीय वर्ष के पहले चार महीनों के दौरान हमने माल परिवहन के क्षेत्र में अभूतपूर्व प्रदर्शन किया है, जो अधिकारियों एवं कर्मचारियों की टीम की कुशलतापूर्ण योजनाओं एवं समर्पित प्रयासों द्वारा ही सम्भव हो सका है। इसके परिणामस्वरूप इस वित्तीय वर्ष के पहले चार महीनों के दौरान पश्चिम रेलवे पर लगभग 23 मिलियन टन माल का लदान दर्ज किया गया है, जो पिछले वर्ष की इसी अवधि की तुलना में लगभग 16 प्रतिशत अधिक है। हमारी माल आमदनी भी जुलाई, 2011 तक 24 प्रतिशत की वृद्धि के साथ 1716 करोड़ रुपये तक पहुँच चुकी है। हमने कंटेनर, पेट्रोलियम उत्पाद, अनाज, कोयला तथा नमक के लदान सहित सभी क्षेत्रों में अपने पुराने सभी कीर्तिमानों को कहीं पीछे छोड़ दिया है। चालू वित्तीय वर्ष में जुलाई, 2011 तक पश्चिम रेलवे की कुल आय 2752 करोड़ रुपये रही, जो पिछले वर्ष की इसी अवधि के मुकाबले 19 प्रतिशत अधिक है।

"वर्ष 1853 में शानदार शुरुआत के बाद कालांतर में रेलों का जाल देश के कोने-कोने में फैल गया और आज भारतीय रेल प्रणाली की गणना विश्व की सबसे बड़ी रेल प्रणालियों में की जाती है। इसी विशाल भारतीय रेल प्रणाली के प्रमुख अंग के रूप में पश्चिम रेलवे ने देश के पश्चिमी हिस्से की बहुमुखी प्रगति में हमेशा सक्रिय भूमिका निभाई है और लोगों की ज़रूरतों के अनुसार अपनी सेवाएँ लगातार प्रदान की हैं। 5 नवम्बर, 1951 को विधिवत रूप से गठित होने वाली पश्चिम रेलवे ने संरक्षा, सेवा और गति के अपने ध्येय मंत्र को आत्मसात कर इसे व्यावहारिक रूप में भी चरितार्थ किया है।"

★ **अधिक ट्रेनों के साथ बेहतर सम्बद्धता:** वर्ष 2011-12 में प्रस्तुत रेल बजट के अनुसार पश्चिम रेलवे पर इस वर्ष 26 जोड़ी नई रेल सेवाएँ शुरू की जानी हैं। इनमें मुंबई सेंट्रल-नई दिल्ली वातानुकूलित दुरन्तो तथा अहमदाबाद-मुंबई डबल डेकर वातानुकूलित एक्सप्रेस ट्रेनें मुख्य रूप से शामिल हैं। 4 जोड़ी नई ट्रेनों की शुरुआत की गई है, जिनमें एक मेमू सेवा तथा तीन डेमू सेवाएँ शामिल हैं। रेल बजट में घोषित 8 जोड़ी ट्रेनों में से 3 जोड़ी ट्रेनों की बारम्बारता में वृद्धि की जा चुकी है। 6 जोड़ी में से 3 जोड़ी ट्रेनों के गंतव्य स्थलों को विस्तारित किया गया है। पश्चिम रेलवे पर वर्ष 2011 में अप्रैल से जुलाई महीने तक की अवधि के दौरान 2239 हॉलिडे स्पेशल ट्रेनों का परिचालन किया गया, जो पिछले वर्ष की इसी अवधि में चलाई गई ट्रेनों से 66 प्रतिशत अधिक हैं। इस अवधि के दौरान छुट्टियों में अतिरिक्त भीड़ को कम करने के उद्देश्य से विभिन्न ट्रेनों में 1991 अतिरिक्त डिब्बे अस्थायी तौर पर जोड़े गये। इस वित्तीय वर्ष के पहले चार महीनों में मेल/एक्सप्रेस ट्रेनों की समयपालनता 93.3 प्रतिशत रही, जबकि उपनगरीय ट्रेनों की समयपालनता 96.4 प्रतिशत रही है।

# महाप्रबंधक महोदय का विशेष लेख

★ **बुनियादी संसाधनों का विस्तार:** पश्चिम रेलवे अपने बुनियादी संसाधनों के विस्तार के ज़रिये बहुमुखी विकास के लिए हमेशा प्रतिबद्ध रही है। प्रतापनगर-छोटाउदेपुर खंड के एक भाग बोडेली-छोटाउदेपुर खंड का गेज परिवर्तन कर इसे 26 फरवरी, 2011 को यात्री परिवहन के लिए शुरू किया गया। वांसजालिया-जेतलसर खंड के गेज परिवर्तन का कार्य पूरा होने के बाद इसे 11 फरवरी, 2011 को यात्री यातायात के लिए खोला गया। सुरेन्द्रनगर-ध्रांगध्रा खंड के गेज परिवर्तन का कार्य भी पूरा कर लिया गया है तथा इसे शीघ्र ही यात्री यातायात के लिए खोल दिया जायेगा। गांधीधाम-कांडला पोर्ट रेल खंड के दोहरीकरण का कार्य पूरा कर इसे माल यातायात के लिए खोल दिया गया है। वडोदरा स्टेशन की पश्चिमी दिशा की ओर से स्टेशन परिसर में प्रवेश के लिए द्वितीय प्रवेश द्वार का निर्माण किया गया है। अहमदाबाद-बोटाद खंड पर स्थित सड़क निचले पुल तथा अहमदाबाद-दिल्ली मार्ग और वडोदरा-अहमदाबाद खंड पर अहमदाबाद स्टेशन के पास निर्मित सड़क ऊपरी पुलों को इस वर्ष यातायात के लिए खोल दिया गया है। वडोदरा-गोधरा खंड पर निर्माणाधीन सड़क ऊपरी पुल के रेलवे के हिस्से का कार्य तथा अहमदाबाद-मुंबई लाइन पर वडोदरा के निकट सड़क ऊपरी पुल का सम्पूर्ण कार्य पूरा कर लिया गया है। वर्ष 2011-12 के दौरान 5 अन्य सड़क ऊपरी तथा निचले पुलों का कार्य पूरा करने का लक्ष्य है। फरवरी, 2011 में भावनगर में एक रेल कोच मरम्मत कारखाने का शुभारम्भ हुआ, जिसमें प्रत्येक महीने 50 ब्रॉड गेज डिब्बों के आवधिक अनुरक्षण की क्षमता है। चर्चगेट स्टेशन पर प्लेटफॉर्मों के कवरशेड के विस्तार तथा 15 डिब्बा ट्रेनों के समायोजन हेतु यार्ड रिमॉडलिंग सहित प्लेटफॉर्मों के विस्तार का कार्य भी इस वर्ष की शुरुआत में पूरा कर लिया गया। भरूच-समनी-दहेज, राजपीपला-अंकलेश्वर तथा रतलाम-फतेहाबाद के गेज परिवर्तन के कार्य प्रगति पर हैं। उधना-जलगाँव खंड के विद्युतीकरण सहित दोहरीकरण का कार्य भी प्रगति पर है।

★ मुंबई-इंदौर दुरंतो एक्सप्रेस का एक दृश्य।

★ चर्चगेट स्टेशन पर प्लेटफॉर्म कवर शेड के विस्तारीकरण कार्य का दृश्य।

★ **यात्री सुविधाएँ हमेशा सर्वोपरि:** यात्रियों की सुविधाएँ पश्चिम रेलवे के लिए हमेशा सर्वोपरि रही हैं। हम प्रौद्योगिकी के सदुपयोग के ज़रिये रेल यात्रा को अधिकाधिक सुविधाजनक बनाने में विश्वास रखते हैं। इंटरनेट के माध्यम से शुरू की गई टिकटिंग प्रणाली के फलस्वरूप रेलवे का टिकट पाना पहले से अधिक आसान हो गया है। पश्चिम रेलवे की वेबसाइट भारतीय रेलवे के नये ई-टिकट बुकिंग पोर्टल से जुड़ चुकी है। इस पोर्टल के ज़रिये अपेक्षाकृत कम सेवा शुल्क पर ई-टिकट बुक कराये जा सकते हैं। मोबाइल के ज़रिये ई-टिकट बुक कराने की सुविधा शुरू हो चुकी है। एक अहम बदलाव के तहत अब छपे हुए ई-टिकट के बजाय इसके वर्चुअल रिजर्वेशन मैसेज को भी ई-टिकट के रूप में स्वीकार किया जा रहा है। एटीवीएम एवं सीवीएम के ज़रिये उपनगरीय टिकटों के लिए लगने वाली लम्बी कतारों को छोटा करने में काफी सहायता मिली है। इस वर्ष 9 नये स्थानों पर यूटीएस केन्द्रों की स्थापना की गई है, जिन्हें मिलाकर वर्तमान में पश्चिम रेलवे पर 255 यूटीएस केन्द्र कार्यरत हैं। 12 स्थानों पर यूटीएस सह पीआरएस केन्द्रों की स्थापना की गई है। इस प्रकार पश्चिम रेलवे पर 93 स्टेशनों पर यूटीएस सह पीआरएस सुविधा उपलब्ध कराई जा चुकी है। रतलाम मंडल के मनावर क्षेत्र तथा अहमदाबाद मंडल के अंतर्गत नखतरना क्षेत्र के डाकघर में इस वर्ष पीआरएस केन्द्रों की स्थापना की गई है। यह सुविधा सुलभ कराने के लिए 38 अन्य डाकघरों की भी पहचान कर ली गई है। वडोदरा में जून, 2011 से जनसाधारण टिकट बुकिंग सेवक प्रणाली उपलब्ध कराये जाने के फलस्वरूप पश्चिम रेलवे पर ऐसे केन्द्रों की संख्या 15 हो गई है। हमने उपनगरीय खंड पर भी इस सुविधा के विस्तार की प्रक्रिया शुरू कर दी है। चार्ट तैयार होने के बाद चालू आरक्षण की सुविधा 19 स्थानों पर उपलब्ध कराई जा चुकी है। मुंबई उपनगरीय खंड के सभी स्टेशनों पर लम्बी दूरी की गाड़ियों के लिए चालू टिकट जारी करने की सुविधा प्रदान कर दी गई है। अपने ग्राहकों को हरसम्भव बेहतर सुविधाएँ सुलभ कराने की प्रतिबद्धता को निभाने के क्रम में पश्चिम रेलवे के बांद्रा टर्मिनस, वलसाड, उधना, सूरत तथा मुंबई सेंट्रल स्टेशनों पर और अधिक संख्या में रिवर्स ऑस्मोसिस पेयजल संयंत्र स्थापित किये गये हैं। इन्हें मिलाकर पश्चिम रेलवे पर स्वच्छ पेयजल प्रदान करने वाले 18 रिवर्स ऑस्मोसिस पेयजल संयंत्र स्थापित किये जा चुके हैं। पश्चिम रेलवे पर उच्चस्तरीय मानदंडों को बनाये रखते हुए यात्री सुविधाओं में सुधार को हमेशा सर्वोच्च वरीयता दी गई है। पश्चिम रेलवे के महत्त्वपूर्ण स्टेशनों पर विकलांगों और वरिष्ठ नागरिकों के लिए बैटरीचालित वाहन तथा एयरपोर्ट ट्रॉलियों की तर्ज पर स्वचालित लगेज ट्रॉलियाँ उपलब्ध कराई गई हैं। मुंबई सेंट्रल मंडल पर विश्रामगृह की कम्प्यूटरीकृत बुकिंग की सुविधा उपलब्ध कराई गई है। बोरीवली स्टेशन पर पुरुषों तथा महिलाओं के लिए दो नये प्रतीक्षालयों की स्थापना की गई है। वर्ष 2010 की नई खानपान नीति के अनुसार पश्चिम रेलवे द्वारा आईआरसीटीसी से स्टॉलों, भोजनालयों तथा ट्रॉलियों आदि सहित सभी स्थायी खानपान इकाइयों तथा ट्रेनों के सभी लाइसेंसशुदा रसोईयानों के अधिग्रहण की प्रक्रिया पूरी कर ली गई है। राजधानी एक्सप्रेस ट्रेनों के लिए भोजन प्रदान करने वाले मुंबई सेंट्रल स्थित मुख्य रसोईघर को भी अब पश्चिम रेलवे द्वारा चलाया जा रहा है। मुंबई सेंट्रल, वडोदरा और रतलाम स्टेशनों पर यात्रियों को उचित मूल्य पर भोजन प्रदान करने वाली जन-आहार इकाइयों का प्रबंधन पश्चिम रेलवे द्वारा किया जा रहा है। तीन नये जन-आहार केन्द्र जल्दी ही अहमदाबाद, राजकोट एवं भावनगर में खोले जायेंगे। सम्पूर्ण पश्चिम रेलवे पर 10 हज़ार से भी अधिक की संख्या में जनता खाने की बिक्री की जा रही है। पश्चिम रेलवे अपने यात्रियों को स्वच्छ और अच्छी गुणवत्ता वाला भोजन तथा पेयजल सुलभ कराने के लिए प्रतिबद्ध है।

★ **आर्थिक राजधानी की जीवन रेखा को नये आयाम:** मुंबई की उपनगरीय ट्रेनों को इस महानगर की जीवन रेखा कहा जाता है। हमारे सम्माननीय यात्रियों को और अधिक सुविधाजनक यात्रा प्रदान करने के क्रम में हाल ही में 106 नौ डिब्बों वाली सेवाओं को बारह डिब्बों वाली सेवाओं में परिवर्तित किया गया है, जिसके फलस्वरूप इन ट्रेनों की वहन क्षमता में उल्लेखनीय वृद्धि हुई है। 15 डिब्बों वाली उपनगरीय सेवाओं का विस्तार अब चर्चगेट स्टेशन तक किया जा चुका है। चर्चगेट और बोरीवली के बीच डीसी से एसी कर्षण परिवर्तन का काफी बड़ा तथा चुनौतीपूर्ण कार्य लगभग पूरा हो गया है और निकट भविष्य में इस खंड को 25 केवी एसी कर्षण से चार्ज किया जाना है। इसके फलस्वरूप देश के शेष रेल नेटवर्क के

# महाप्रबंधक महोदय का विशेष लेख

साथ पश्चिम रेलवे के उपनगरीय रेल खंड के एकीकरण के ज़रिये सम्बंधित निष्पादन को बढ़ाया जा सकेगा। यह निश्चित रूप से एक बड़ी उपलब्धि है।

★ चर्चगेट स्टेशन भवन के अग्रभाग के सौंदर्यीकरण का दृश्य।

**★ सबसे लम्बी मालगाड़ी का कीर्तिमान:** पश्चिम रेलवे ने रिमोट रेडियो कंट्रोल के ज़रिये वितरित होने वाली ऊर्जा की प्रणाली से सुसज्जित इंजनों द्वारा पहली सबसे लम्बी मालगाड़ी पायथन ट्रेन साबरमती से मुंद्रा पोर्ट तक चलाकर एक नई उपलब्धि हासिल की है। मानवीय भूल के कारण होने वाली दुर्घटनाओं से बचने के लिए सभी मेन लाइनों के ब्रॉड गेज डीजल इंजनों में 'विजिलेंस कंट्रोल डिवाइस' उपकरण लगाये गये हैं। खराब मौसम के दौरान कोहरे के बावजूद ड्राइवरों की सुचारू दृश्यता सुनिश्चित करने के लिए 3 जोड़ी 'फॉग सेफ डिवाइस' उपकरणों का परीक्षण रतलाम मंडल पर किया जा रहा है।

**★ अक्षय ऊर्जा स्रोतों का बेहतर सदुपयोग:** परम्परागत ऊर्जा स्रोतों में निरंतर हो रही कमी को देखते हुए पश्चिम रेलवे द्वारा गैर परम्परागत ऊर्जा प्रयोग के नये क्षेत्रों की तलाश की जा रही है। अक्षय ऊर्जा स्रोतों का गहन उपयोग करते हुए हमने 9 स्टेशनो एवं 130 समपार फाटकों का विद्युतीकरण सौर ऊर्जा के माध्यम से किया है। रेलवे के विभिन्न संस्थानों में सौर ऊर्जा द्वारा परिचालित 116 वॉटर हीटर लगाये गये हैं। वायु सह सौर (हाईब्रिड) प्रणाली 5 समपार फाटकों पर लगाई गई है। रेल कर्मचारियों को 1.5 लाख सीएफएल लाइटें वितरित की गई हैं, जिनके परिणामस्वरूप प्रति वर्ष 10 लाख यूनिट बिजली की बचत हो रही है। पश्चिम रेलवे चालू वित्तीय वर्ष के पहले तीन महीनों में विद्युत भार में बढ़ोतरी के बावजूद 7.4 प्रतिशत ऊर्जा की बचत करने में सफल रही है।

**★ संरक्षा विभाग को मिला आई. एस. ओ. प्रमाण पत्र:** पश्चिम रेलवे के सभी 6 मंडलों में आपदा प्रबंधन कार्यों की योजना बनाने एवं मॉनिटरिंग करने वाली गुणवत्ता प्रबंधन प्रणाली को निर्धारित मानकों के अनुरूप पाये जाने पर अंतर्राष्ट्रीय मानक संगठन द्वारा हमारे संरक्षा विभाग को आईएसओ 9001:2008 प्रमाण पत्र जारी किया गया है। पश्चिम रेलवे द्वारा संरक्षा के प्रति बरती गई सजगता के फलस्वरूप इस वित्तीय वर्ष में चौकीदार रहित समपारों पर होने वाली दुर्घटनाओं में उल्लेखनीय कमी आई है। इस बारे में लोगों को जागरूक करने के लिए पश्चिम रेलवे द्वारा सार्थक प्रयास किये जा रहे हैं। समय-समय पर आकस्मिक निरीक्षण तथा रेडियो जिंगलों, विज्ञापनों, पोस्टरों और एसएमएस के ज़रिये जागरूकता अभियान चलाकर जनमानस को चौकीदार रहित समपारों पर सावधानियाँ बरतने के बारे में बताया जाता रहा है। चालू वित्तीय वर्ष में 51 समपारों पर चौकीदार तैनात किये गये हैं और 11 समपारों को बंद कर दिया गया है। 8 समपार फाटकों को इंटरलॉक किया गया है, जिन्हें मिलाकर पश्चिम रेलवे पर अब इंटरलॉक किये गये समपार फाटकों की कुल संख्या 987 हो गई है। सिगनलों की दृश्यता एवं विश्वसनीयता में सुधार लाने के क्रम में चालू वित्तीय वर्ष के दौरान 7 स्टेशनों पर एलईडी से रोशन, कलर लाइट सिगनल स्थापित किये गये हैं। मुंबई के अंधेरी रेलवे स्टेशन पर डिजिटल काउंटर स्थापित कर विशेषकर मॉनसून के दौरान सिगनलिंग प्रणाली की विश्वसनीयता को बढ़ाया गया है।

**★ मुंबई मेट्रो वन के लिए अंधेरी में ओवर ब्रिज के लिए अनुमति:** पश्चिम रेलवे तथा एम एम आर डी ए द्वारा अंधेरी में वर्सोवा-अंधेरी-घाटकोपर मेट्रो लाइन के लिए ओवर ब्रिज के निर्माण की सहमति पर हस्ताक्षर किये गये हैं। दिल्ली मेट्रो के बाद यह भारतीय रेलवे पर रेलवे लाइन के ऊपर से गुज़रता हुआ प्रथम मेट्रो ब्रिज होगा। यह ब्रिज 69 मीटर लम्बाई तथा 7 मीटर ऊँचाई के दो स्पैन के स्टील गर्डरों का बना होगा। यह गर्डर रेल यातायात में अवरुद्धता की स्थिति को कम करने के लिए कैंटिलीवर तकनीक का प्रयोग करते हुए लॉन्च किये जायेंगे।

**★ एस एम एस फीडबैक:** पश्चिम रेलवे पर एस एम एस फीडबैक प्रणाली मई, 2009 से शुरू की गई है, जिसके द्वारा यात्रियों के बहुमूल्य फीडबैक को एस एम एस के ज़रिये प्राप्त किया जा रहा है। इसके माध्यम से सीटों के बीच स्थान की कमी, इंडीकेटर की स्थिति इत्यादि के बारे में एसएमएस फीडबैक के तौर पर सुझाव/शिकायतें प्राप्त होने पर सेवाओं में सुधार किया गया।

**★ अपराधों पर कारगर नकेल:** आपराधिक एवं असामाजिक गतिविधियों को रोकने के लिए रेल सुरक्षा बल द्वारा चालू वित्तीय वर्ष के दौरान चलाये गये विभिन्न अभियानों के तहत 87 हज़ार से अधिक व्यक्तियों को रेलवे एक्ट की विभिन्न धाराओं के अंतर्गत पकड़ा गया। इन व्यक्तियों से जुर्माने के रूप में 1.35 करोड़ रुपये की वसूली की गई, जबकि लगभग 23 लाख रुपये मूल्य की रेलवे सम्पत्ति बरामद की गई।

**★ रेलवे बोर्ड की प्रतिष्ठित शील्ड का गौरव:** पश्चिम रेलवे के सामग्री प्रबंधन विभाग को वर्ष 2010-11 के दौरान अपने उत्कृष्ट कार्य निष्पादन के लिए माननीया रेल मंत्री जी की प्रतिष्ठित सामग्री प्रबंधन दक्षता शील्ड संयुक्त रूप से पाने का गौरव हासिल हुआ। पश्चिम रेलवे पर होने वाली सभी खरीद प्रक्रियाओं में पारदर्शिता लाने के उद्देश्य से भंडार विभाग द्वारा 'ई-प्रोक्योरमेंट' प्रणाली को पूर्ण रूप से अपनाया गया है।

**★ बेहतर स्वास्थ्य सेवाओं की पहल:** रेलकर्मियों एवं उनके परिवारजनों के स्वास्थ्य की हरसम्भव देखभाल करने के लिए उन्हें अधिकाधिक बेहतर स्वास्थ्य सेवाएँ उपलब्ध कराई जाती हैं। डायग्नोस्टिक तथा थेरेप्यूटिक सुविधा को उन्नत करने के उद्देश्य से जगजीवन राम अस्पताल के गैस्ट्रोइन्ट्रोलॉजी विभाग में नवीनतम प्रौद्योगिकी वाली एक नई 800 एमए डिजिटल एक्स-रे एवं फ्लोरोस्कॉपी मशीन की स्थापना की गई है, जिससे इंडोस्कॉपी प्रक्रिया को भली-भाँति सुनिश्चित किया जा रहा है। इसी क्रम में दाहोद अस्पताल एवं मुंबई

★ वडोदरा स्थित नवनिर्मित हेरिटेज पार्क का दृश्य

★ नई दिल्ली में आयोजित कॉमन वेल्थ गेम्स में राइफल शूटिंग में कांस्य पदक विजेता सुश्री सुमा शिरूर।

# महाप्रबंधक महोदय का विशेष लेख

सेंट्रल मंडल की बधवार पार्क स्वास्थ्य इकाई में पूर्णत: स्वचालित एनालाइजरों की स्थापना भी की गई है।

★ **हेरिटेज:** पश्चिम रेलवे अपनी महत्त्वपूर्ण विरासत को सुरक्षित रखने के लिए विशेष प्रयास कर रहा है। प्रधान कार्यालय भवन, चर्चगेट में एक हेरिटेज गैलरी स्थापित की गई है, जिसमें दुर्लभ हस्तलिखित, आर्टिफैक्ट, मॉडल्स, फोटोग्राफ आदि प्रदर्शित किये गये हैं। महालक्ष्मी स्क्रैप यार्ड में एएसआई के अनुसार 14 वीं/15वीं सदी की एक शिला पाई गई थी। इस शिला को प्रधान कार्यालय भवन, चर्चगेट में प्रतिस्थापित की जाने की योजना तैयार की जा रही है।

★ **छोटी लाइन रेलवे के 150 वर्ष:** वर्ष 2012 में पश्चिम रेलवे पर छोटी लाइन प्रणाली के 150 वर्ष पूरे हो जायेंगे। वडोदरा तथा डभोई में एक हेरिटेज पार्क भी विकसित किया गया है। पार्क में छोटी लाइन प्रणाली के क्रमिक विकास के विविध फोटोग्राफ तथा नैरोगेज के 150 वर्षों की यात्रा को प्रदर्शित किया गया है। यह सुनिश्चित किया गया है कि पार्क में प्रदर्शित वस्तुएँ प्रासंगिक हों तथा जिनका भूत और वर्तमान से सम्बंध रहा हो।

★ **कर्मचारी कल्याण:** कर्मचारी कल्याण को इस रेलवे पर हमेशा सर्वोच्च वरीयता दी गई है। कर्मचारियों को लाभान्वित करने के लिए कई कदम उठाये गये हैं। उज्जैन, गांधीधाम, साबरमती, हापा, वलसाड एवं गोधरा में सामुदायिक केन्द्रों की स्थापना की जा चुकी है। विलेपार्ले और जेतलसर में भी इनकी स्थापना की योजना है। चालू वर्ष के दौरान अहमदाबाद एवं माटुंगा रोड में रेलकर्मियों के बच्चों के लिए होस्टल उपलब्ध कराये गये हैं। अहमदाबाद में एक नये पालनाघर की स्थापना भी की गई है। एक नई पहल के रूप में प्रधान कार्यालय एवं मंडल कार्यालयों में रेलकर्मियों को उनके वेतन, भविष्य निधि, अवकाश इत्यादि के बारे में जानकारी देने वाले इन्फॉर्मेशन कियोस्क स्थापित किये गये हैं। रेलकर्मियों की शिकायतों के त्वरित निराकरण के लिए नियमित रूप से कर्मचारी शिकायत समाधान शिविरों का आयोजन किया जाता है। समूह 'ग' और 'घ' के सभी योग्य कर्मचारियों को एम ए सी पी का लाभ दिया जा चुका है। रिक्तियों को भरने के लिए समूह 'घ' में भर्ती हेतु अधिसूचनाएँ भी जारी कर दी गई हैं।

★ मुंबई सेंट्रल स्टेशन पर स्थित 'जन आहार' अल्पाहार गृह का दृश्य।

★ **खेल-कूद में भी हम हैं अव्वल:** हमारे प्रतिभावान खिलाड़ियों ने खेलकूद के क्षेत्र में अपने प्रदर्शन से हमेशा विशिष्ट ख्याति अर्जित की है। इनकी बदौलत पश्चिम रेलवे ने लगातार 18वीं बार 'कौल गोल्ड कप' जीतकर एक बार फिर अपनी श्रेष्ठता को बरकरार रखा है। हाल ही में चेक गणराज्य में आयोजित यूएसआईसी (वर्ल्ड रेलवे) गोल्ड चैम्पियनशिप में पश्चिम रेलवे के गोल्फर श्री हरीश घोघे ने सर्वश्रेष्ठ गोल्फर का खिताब जीतकर हमें गौरवान्वित किया है। नई दिल्ली 2010 में आयोजित 19 वीं कॉमन वेल्थ गेम्स में पश्चिम रेलवे की ओर से 29 खिलाड़ियों ने भारत का प्रतिनिधित्व किया है और विभिन्न खेलों में 6 पदक जीते हैं। श्री राजेन्द्र कुमार और श्री नरसिंह यादव ने कुश्ती में स्वर्ण पदक जीते हैं, जबकि रणजीत महेश्वरी ने ट्रिपल जम्प खेल में कांस्य पदक जीता और सुश्री सुमा शिरूर ने राइफल शूटिंग में कांस्य पदक जीता। श्री नितीन घुले ग्वांगझू चीन में हुए 16 वें एशियाई खेल में स्वर्ण पदक विजेता कबड्डी टीम के सदस्य थे।

पश्चिम रेलवे यात्री एवं माल यातायात दोनों ही क्षेत्रों में तेज़ी से प्रगति करने वाली रेलवे है। मुंद्रा, कांडला, पीपावाव और दहेज जैसे बंदरगाहों की मौजूदगी से निकट भविष्य में रेल यातायात काफी तेज़ी से बढ़ने वाला है। यातायात में होने वाली इस सम्भावित बढ़ोतरी के अनुरूप अपनी क्षमताएँ बढ़ाने की कार्रवाई यद्यपि रेलवे ने सुनिश्चित की है, तथापि हमें क्षमता में वृद्धि की योजनाएँ बनाने के अलावा पहले से नियोजित विकास कार्यों को तेज़ी से पूर्ण करना होगा। हमारा भविष्य चुनौतीपूर्ण है, लेकिन लक्ष्यों को हासिल करना असम्भव नहीं है। पश्चिम रेलवे न सिर्फ अपने यात्रियों को बेहतर सेवा प्रदान के लिए प्रतिबद्ध है, बल्कि पश्चिमी क्षेत्र के सामाजिक और आर्थिक विकास में गति लाने के लिए भी निरंतर प्रयासरत है।

★ पश्चिम रेलवे के संरक्षा विभाग द्वारा सामाजिक जागरूकता के क्रम में प्रकाशित कैलेंडर का एक नज़ारा।

★ रेल की पटरी पार न करने सम्बंधी जागरूकता के लिए चलाये जा रहे अभियान 'अनमोल जीवन' का दृश्य।